साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
Mob: +91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 16 | अंक 48 | प्रति सोमवार इंदौर, 27 जून 3 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2/- रुपए

मोदी! देश अपने बाप की जागीर नहीं

अग्निपथ से देश की सुरक्षा को मत बनाओ अग्निकुंड

अग्निपथ यथार्थ में 4 साल में रिटायर करने के बाद उन्हें 21- 22 साल के युवाओं को सेना की सेवा से हटाकर सेना प्रशिक्षित रु. 8000 महीने की, अडानी के जो उसने हवाई अड्डे, बंदरगाह, बैंक, बीमा, कंपनियां तेल, भेल, रेल, सेल, गेल, बेल, हाल, विद्युत कंपनियां, जिनमें अभी सीआईएसएफ अर्थात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल जिसको लाखों रुपए महीने के केंद्र सरकार के वेतनमान के अनुसार वेतन देना पड़ता है। उससे उसकी भारी जलती है। फिर रुपए 8000 प्रतिमाह की नौकरी पर सेना के प्रशिक्षित 21 22 साल के युवा सैनिक मिल जाएंगे। का षड्यंत्र है। सबसे पहले जनता को और हमारे युवाओं को चाहिए कि अपेक्षाकृत देश में तोड़फोड़ और आगजनी करने के विपरीत अपने धरने प्रदर्शन सबसे पहले ईवीएम को हटाने की मांग के साथ सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों, लोकसभा, विधानसभाओं, राज्यसभा को घेरने के साथ कलेक्टर आयुक्त कार्यालयों के सामने प्रदर्शन करना चाहिए जैसा कि हमारे किसानों ने किया था। मप्र की जनता समझे, आने वाले चुनावों में भेड़िया झुंड पार्टी के पंचों सरपंचों से लेकर सभी नगरों के पार्षदों और महापौरों को भी पूरी तरह से हराकर बाहर कर दें ताकि उसके खेती जमीन जायदाद व्यापार धंधे रोजगार व आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखा जा सके। अन्यथा 8 साल में मोदी शिवराज के भ्रष्टाचार का तांडव देश को लूट कर बेचने को बर्बाद करने का षड्यंत्र आप सब ने देखा, भोगा व समझा है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रखेले और अपने मित्रों अदानी अंबानी टाटा बिरला आदि का माल पाकिस्तान और चीन में बिकवाने उनसे मोटा व्यापार करने उनके इशारे पर देश की तीनों सेनाओं को कमजोर करने की मोदी सरकार ने अग्निपथ की घोषणा कर दी। पर गुजरात के कच्छ से लेकर कारगिल कश्मीर तक भारत से पाकिस्तान की लगभग 1600 कि मी लंबी सीमा जुड़ी हुई है। वही हाल पैगांग लद्दाख से लेकर म्यामार तक चीन से लगती हुई 4600 किलोमीटर लंबी थल सीमाएं हैं। जहां 6200 किमी लंबी सीमा पर 6200 चौकियां बंकरों के साथ चाहिए हैं। वहां आपका 90इ क्षेत्र खाली पड़ा हुआ है। पाकिस्तान की सीमा पर आपने कुछ किमी में वैद्युतकीय तार की बाड़ लगा दी। झांसी आपको ज्यादा खतरा विशेष तौर से आजाद कश्मीर से कुछ कश्मीरी व जम्मू के लाखों में सीमाओं पर आपने चौकी और बनकर खड़े कर रखे हैं। परंतु पूरा राजस्थान और गुजरात की अधिकांश सीमा खुली पड़ी हुई है। जहां आप को स्थाई लगभग 20 लाख सैनिक चाहिए। बदले में उस सीमा पर रक्षा के लिए 5लाख सैनिक भी, हथियारों के साथ खतरनाक ठंड गर्मी और बरसात के सभी मौसम में काम करने वाले आर्टिलरी, टैंक तोप खाने नहीं है। 6200 किमी लंबी सीमा में आपको 62000 टैंक चाहिए है। पर 6200 टैंक भी नहीं है। आपके पास। यह कहानी उत्तरी पश्चिमी, उत्तरी और उत्तरी पूर्वी क्षेत्रों की है। जबकि कच्छ से लेकर पूरा महाराष्ट्र गोवा केरल तमिल नाडु आंध्र प्रदेश उड़ीसा बंगाल तक आपकी लगभग 7000 किमी लंबी समुद्री सीमाएं हैं।

(शेष पेज 3 पर)

जन संघ पार्टी
JAN SANGH PARTY

राष्ट्र देवो भवः

सूरजमुखी फूल
चुनाव चिन्ह

कोरोना महामारी में पूरे विश्व की बहुराष्ट्रीय कंपनियों व डब्ल्यूएचओ के षडयंत्र के विरुद्ध अकेले ही लड़ने वाला योद्धा एवं गरीब जनता के हितों के लिए 22 साल से सतत् संघर्षरत् पत्रकार

प्रवीण कुमार अजमेरा
महापौर पद प्रत्याशी
जनसंघ पार्टी चुनाव चिन्ह
सूरजमुखी के फूल
पर बटन दबाकर भारी
बहुमतों से विजयी बनाएं

www.samaymaya.com

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

सत्ता बाप की जागीर नहीं जो सार्वजनिक संपत्तियों को बेच जमा करो विदेशों में पैसा

भाजपा और आर एस एस जब तक विपक्ष में रहते हैं तब तक उन्हें गरीबी भूख बेरोजगारी, भ्रष्टाचार महंगाई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लूट, राष्ट्रवाद, स्वदेशी परंपराएं हिंदुत्व सबकी बड़ी आकर्षक घोषणायें, बातें आंदोलन प्रदर्शन करते थे। पर सत्ता में आते ही, सत्ता को अपने बाप की जागीर समझ पहले धीरूभाई अंबानी के लिए ओएनजीसी के गेस के कुए, मुफ्त में सौंप दिया आप वर्तमान में ₹4 प्रति क्यूबिक मीटर गैस बांग्लादेश को सप्लाई कर भारत में वही गैस ₹8 प्रति घन मीटर खरीदी जा रही है। देश की श्रमिक संपत्तियों उपक्रमों जिसमें रेल की हजारों किमी पटरियां, 456 रेलवे स्टेशन, अधिकांश ट्रेन आईआर सीटीसी को, अधिकांश बड़े हवाई अड्डे, बंदरगाह, भारतीय खाद्य निगम, प्रदेशों के खाद्य निगम के सारे भंडार गृह, कोयला खदानें विद्युत कंपनियां, बैंकों की अधिकांश सेवाओं को, बीमा कंपनियों की टीपीए, अडाणी को बेच दी गई। बदले में देश के ताप विद्युत ग्रहों को प्रदेश के साथ देश में कोयले की आपूर्ति के लिए विदेशों से आयात करना पड़ रहा है। तेल, भेल, सेल, गेल, हाल, बेल, बीएसएनएल के साथ अधिकांश विभागों में यहां तक कि पुलिस विभाग में अधिकांश कार्यों को आउटसोर्स देने की तैयारी की जा रही है। अग्निपथ में 4 साल नौकरी देने के बाद में फिर अपने सारे पूंजीपति मित्रों को जो सारे सरकारी उपक्रम भेज दिए हैं उसमें सीआईएसएफ के लोगों को नौकरी ना देना पड़े ?8000 महीने की नौकरी देकर नवरी वीरों का आभूषण किया जाएगा इसके साथ ही साथ सत्ता में आने के बाद फिर ना धर्म, संस्कृति, सारे महत्वपूर्ण मंदिर चाहे वो राम मंदिर हो काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो महाकालेश्वर हो सब पर लोगों से हजारों को उनको चंदा इकट्ठा करने के बाद उनको अपनी कमाई के अड्डे के रूप में विकसित कर दर्शन के बीच हजारों रुपए लेने का षड्यंत्र किया जा रहा है जहां तक हिंदुओं के संरक्षक होने का सवाल था तो कैशलेस नोटबंदी जीएसटी और करोना महामारी में सबसे ज्यादा हिंदुओं के ही रोजगार धंधे दुकाने उद्योग फैक्ट्रियां बाजार बर्बाद करने के साथ, महामारी की आड़ में सबसे ज्यादा हिंदू बस्तियों से उठा उठा कर हिंदुओं को जबरदस्ती अस्पताल में भर्तीकर मौतों का तांडव कर 1 सालों में हिंदुओं की मौत का रास रचाया गया। चेन वहां पर भी नहीं पड़ा उसके आगे बढ़कर जबरजस्ती बहुराष्ट्रीय कंपनियों से पीके की खरीद में मोटा कमीशन खाकर टीका भी संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कर लगभग 100 करोड़ हिंदुओं का टिकट होकर 5 को हिंदुओं की मौत का तांडव रचने के साथ लगभग 40 करोड़ से ज्यादा युवा हिंदुओं की वर्तमान व आने वाली को नपुंसकता व विभिन्न बीमारियां बांट कर बर्बाद किया गया। तो आखिर कैसे सत्ता में आते ही केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों पूजी पतियों के गुलाम बन कर देश को पूरा गुलामी में झोंकने का षड्यंत्र किया जा रहा है जनता इसको समझे। आखिर सब इतने मगरूर क्यों हो जाते हैं। फिर उन्हें जनता नहीं दिखती? हिंदुत्व नहीं दिखता देश नहीं दिखता संस्कृति सब भूल जाते हैं केवल एक याद रहता है कैसे कहां से लूटा जाए देश को कैसे बेंचा जाए। अभी आप बर्तमान में देखिए कि पेट्रोल के देश में दुनिया में सबसे ज्यादा महंगी चल रही हैं वहीं पेट्रोल रूस से ₹60 से खरीद कर भी जिसमें 4 गुना महंगा ही है वही हाल खाद्य वस्तुओं की महंगाई की मोटी कमाई उसके अडानी, अंबानी, टाटा, बिरला, आईटीसी, युनिलीवर मित्तल गोयल बाबा रामदेव सभी दोनों हाथ से जनता को लूटने में लगे हैं अब महंगाई नहीं दिख रही।

आज देश में दो करोड़ पद खाली पड़े हुए हैं परंतु किसी की भर्तियां नहीं की जा रही अब लोगों का रोजगार नहीं दिख रहा। सर माल भारत ने चीन से आ रहा है गुजरात की अधिकांश फैक्ट्रियां चीनी लोगों की चल रही है अब स्वदेशी भी नहीं दिख रहा। तू आखिर 8 साल में देश के आम जनता ने आपको बेंच ने करूं लोग बेरोजगार करने हिंदूओं की मौत का तांडव कर हिंदुओं को खत्म करने देश को गुलाम बनाने के लिए सौंपा था।

देश को पुनः गुलामी से बचाने करें बहिष्कार ऑनलाइन खरीद बिक्री और भुगतान

ऑनलाइन के नाम पर चारों तरफ ना केवल ठगी बल्कि एक बार की खरीदी में भी आपके सारे मोबाइल का डाटा आपकी आदतें सब पर निगाह रखती हैं बहुराष्ट्रीय कंपनियां, और ना केवल आपका आपके परिवार बच्चों और मूल्य जनरल वालों को भी शोषण करती हैं इस तथ्य को समझा जाना चाहिए। मोदी जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों का रखेला और कठपुतली है ने हजारों करोड़ में मोटा कमीशन खाकर पूरे देश के उद्योगों व्यापार को नष्ट करने, पहले देश में कैशलेस का पाखंड किया बाद में नोटबंदी उसके बाद में जीएसटी और अभी 18 महीने से कोरोना की महामारी की आड़ में तालाबंदी था नाटक किया जा रहा है आपने देखा कि चारों तरफ पूरे देश में लगभग 30 करोड लोग न केवल बेरोजगार हुए बरन एक करोड़ से ज्यादा छोटी दुकानें व्यापार उद्योग नोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी की मार झेल कर हमेशा के लिए खत्म हो गए। जिससे नुकसान हम सबका हमारे देश का ही हुआ।

उनका मुंह देसी यही था कैशलेस, नोटबंदी, जीएसटी और तालाबंदी में आखिर अदानी अंबानी टाटा बिरला अमेजॉन वॉलमार्ट की केवल मोटी कमाई हुई वरन उनकी संपत्ति अभी चौगुनी से 10 गुनी तक हो गई उसका भुगतान हम सब ने ही किया और जब तालाबंदी हुई तो हमें सहयोग करने में हमारी गली मोहल्ले के छोटे दुकानदारों से लेकर हमारे गलियों में सब्जी बेचने वाले एक ठेले वाले ही थे जिनको नगर निगम और पुलिस ने ना केवल मारा-पीटा उनकी तराजू बाट छीने, उनका पैसा लूटा, जेल में अंदर किया, के बावजूद भी बेचारे ठेले पर सब्जी भाजी व अन्य सामान बेचने वाले चोरी छुपे गलियों में घुसकर नगर सुधार में माल बेचकर ना केवल अपनी व परिवार की आजीविका चलाते रहे।

वरन आपका आपके परिवार गली मोहल्लों का पेट भी भरते रहे। इसलिए क्षेत्रीय स्तर पर खरीदी करें जबकि दूसरी तरफ ऑनलाइन व्यापार करने वाली सारी कंपनियां वॉलमार्ट अमेजॉन रिलायंस फ्रेश किराना व अन्य शॉपिंग मॉलस एक सब तू अपनी मनमानी कीमतों पर माल भेजते हैं दूसरी तरफ आपका मोबाइल नंबर जाने पर वह आपके सारे मोबाइल की कॉल डिटेल्स से लेकर सारे संपर्क को वीडियो फोटो बैंक अकाउंट आदि का सारा डाटा भी चुरा लेते हैं। इसके साथ ही सभी शॉपिंग मॉल वालों ने अमेजॉन वॉलमार्ट रिलायंस फ्रेश रिलायंस रिटेल व अन्य सैकड़ों ने अपने-अपने ऐप बना रखे हैं और वह ऐप गूगल के माध्यम से डाउनलोड होता है जो डाउनलोड करते समय आपसे सारी अज्ञान कि आप के कॉल डिटेल संपर्कों की सूची, चित्र चलचित्र बैंक खाते आधार कार्ड नंबर व अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां जो आपके मोबाइल में कंप्यूटर में एकत्रित है सबको देखने, संग्रहण करने चुराने और उसका व्यवसायिक दुरुपयोग करने में करते हैं जो उस आपके आपके बच्चों परिवार माता पिता सबके लिए घातक होता है इसलिए किसी भी हाल में कोई भी ऑनलाइन खरीदी करने का, कार्य न करें। केवल वे कंपनियां जिनके अपने आप डाउनलोड किए हैं वरुण गूगल और उसके साथ जुड़े दुनिया के करोड़ों हैकर आपकी सारी जानकारी चुराकर न केवल बैंक अकाउंट खाली करते हैं आपकी संपत्ति आपके लेन-देन आपकी, परिवार के बच्चों बुजुर्गों महिलाओं की आदतों, पसंद खरीदी के तरीके आय के स्त्रोत सब पर निगरानी कर बाद में भविष्य में परेशान करते हैं जिसका अनुभव देश के कम से कम 25 से 50 कोलोंको हो चुका है इसके साथ ही साथ साल भर में दो से तीन करोड़ खातों में डकैती या बैंक जालसजिया आदि की जाती है। जिसके मूल में ऑनलाइन खरीदी भुगतान आदि का ही खेल होता है जो आपके भविष्य को बर्बाद करने आप को गुलाम बनाने मैं उपयोग किया जाएगा। फिर ऑनलाइन के पाखंड में कंपनी भले ही अच्छा माल बेच भी दे तो भी रास्ते में आपूर्ति करने वाले घर तक पहुंचाने वाले जो वह होते हैं जो भी सामान को बदल देते हैं वह भी आपका मोबाइल नंबर आदि को एकत्रित कर बाद में परेशान करते हैं और जिस तरह का सामान आपको ऑनलाइन पर दिखाया जाता है उस तरीके का सामान्य होने पर उनकी मनमानी कीमत के भुगतान करने पर भी आपको व संतुष्टि नहीं मिल सकती जो आप क्षेत्रीय दुकानदारों से माल को देख परख और भावनाओं का केक खरीदी करने में महसूस करते हैं इसलिए बेहतर होगा की सभी प्रकार की खरीदी को आप छेत्री दुकानदारों के पास जाकर माल को देखभाल खरीद और भाव ताव कर खरीदने के साथ वालों की गुणवत्ता अच्छी ना होने पर सीधे विक्रेता दुकानदार से बातचीत गारंटी वारंटी आदि का लाभ भी ले सकते हैं।

ज्यादा ऑनलाइन की आधुनिकता ना केवल आपको वरुण आने वाली पीढ़ी और पूरी समाज को अभिशाप बन चुकी है इसको भी समझें और भविष्य को सुरक्षित रखें।

हर पेशेवर की हर विभाग में परीक्षा हो

2007 से मैं लगातार मांग कर रहा हूं। की हर हाल में 3 या 5साल में, वकीलों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, की कार्यक्षमता, नये ज्ञान, नई तकनीकों, कानूनों को समझने, सामायिक परिपेक्ष में लाने परीक्षा ली जानी चाहिए। जो40ज्अंक लायें वे ही आगे संबंधित संस्था आगे कार्य करने में सक्षम माने जायें। वरना उनकी डिग्री रद्द करो।

60ज् अंक वालों को ही शासकीय कार्यों, गंभीर मुद्दे पर कार्य योग्य मानें। अन्यथा वकीलों, डॉक्टर, इंजीनियर चाहे सरकारी हों या निजी संस्थानों में व्यक्तिगत स्तर पर अच्छे कार्य योग्य मानें जायें। वकीलों के लिए उनकी केस डायरी पर भी नं दिये जायें। साल में न्यायालयों में 300 सुनवाई बहस में उपस्थित होना आवश्यक हो। उपस्थिति न होने, परीक्षा पास न करने पर तत्काल प्रभाव से अधिवक्ता परिषद से पंजीयन निलंबित किया जाये। 6 माह में परीक्षा पास करने और केस डायरी में सुधार आने पर बहाल करो। अन्यथा सदा के लिए पंजीयन समाप्त किया जाए।

पुनः पंजीयन करवाने के लिए पुनः सदस्यता की परीक्षा दो उसमें पास हो तो 2 साल तक का परीवीक्षा अवधि पुनः शुरू करो। ताकि कोई भी वकील डॉक्टर इंजीनियर अपने कार्य के प्रति समर्पित होने के अतिरिक्त दूसरे उल्टे सीधे कोई कार्य न कर सके।

केस और कार्य डायरी इंजीनियर डॉक्टर वकील सबको रखना आवश्यक कर दी जाए।

ताकि हर पेशेवर अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर अपने क्लाइंटस को पेशेवर सही सेवा दे सकें। फिर स्वाभाविक है कि कोई भी अपने पेशे के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प, आपराधिक गतिविधियों पर ध्यान नहीं देगा।

मप्र का मुमं शिवराज

करोड़ों वर्षों पुराने ओंकार पर्वत पर ओंकारेश्वर का मूल स्वरूप समाप्त करने के लिए करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं और संवेदनाओं को कुचल, लाखों हिंदुओं के इसके विरोध में चल रहे आंदोलनों को नजरंदाज कर जबकि बाबा ओंकारेश्वर नीचे नदी तीरे विराजमान हैं, उनसे ज्यादा ऊंचाई पर शंकराचार्य की प्रतिमा लगाने के बहाने तीर्थ स्थल के पौराणिक महत्व को खंड खंड बिखेर, हजारों पेड़ों की कटाई कर 30-40' खुदाई कर वहां मोटी कमाई करने पर्यटन स्थल, होटल, सड़क बना तीर्थ राज ओंकारेश्वर की पवित्रता को नष्ट करने का षड्यंत्र कर रही है।

आखिर भेडियो का यह दोहरा चरित्र क्या केवल अपने कुकर्मों को छुपाने और जनता को महंगाई से लूटने व बेरोजगारी की वास्तविकता से दूर धार्मिक भावनाओं में उलझाने का षड्यंत्र नहीं।

तत्काल ओमकारेश्वर पर्वत के मूल स्वरूप को बहाल किया जाए। पर्वत शिखर पर कोई निर्माण प्रतिमा स्थापना आदि नहीं होनी चाहिए।

क्या जालसाजी और छल कपट से सत्ता इसलिए हथियाई थी?

अग्निपथ से देश की सुरक्षा को मत बनाओ अग्निकुंड

पेज 1 का शेष

आपके पास तटीय क्षेत्रों में निगरानी चौकसी आदि काम करने के लिए। 24 घंटे की तीन पारियों में सतत कार्य के लिए 21 लाख के आधे 10.5 लाख जल सैनिक भी नहीं है। अभी 300 से 500 मीटर लंबी गस्ती 1400 नोंकायें, 700 जहाजों, 300 पनडुब्बियों, 100एयरक्राफ्ट कैरियर है क्या आपके पास भौगोलिक स्थिति के अनुसार।

वायु सेना के विमानों के बेड़े में विमानों के बेड़े में न्यूनतम 13000 किलोमीटर लंबी सीमाओं की सुरक्षा के लिए 1300 लड़ाकू विमान भी है आपके पास। नहीं। फिर लगभग 300 an-32 टाइप के विमान आपको केवल सामान ढोने के लिए चाहिए 6200 कि मी लंबी सीमा पर युद्ध होने पर सामान गोला बारूद राशन भेजने के लिए। आपको लगभग 5000 फाइटर एयरक्राफ्ट पायलट, 500 से ज्यादा आपको सैनिकों को लाने ले जाने गोला बारूद रशद टपका ने सहायता आदि के लिए चाहिए। अर्थात एयर फोर्स के पास एक लाख से ज्यादा ग्राउंड व एयरपोर्ट वर्क करने वाले एयर मैन सैनिक चाहिए।

यह सब सैनिक कम से कम 10 साल से लेकर 30 साल तक अनुभवी होना चाहिए। पर आप तो अग्निपथ लाकर देश को अग्निपथ बनाकर शत्रुओं का अग्निपात करवा कर, अग्नि कुंड में बदल देने का षड्यंत्र कर रहे हैं।

8 साल में जाहिल घोर लालची मोदी ने देश को हर तरह किया बर्बाद

विदेशी बैंकों में आठ गुना ज्यादा पैसा लूटकर भेजा

जाहिल मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए यह अच्छी तरीके से समझ लिया था की यह सब बिकाऊ है बस खरीददार चाहिए उसने आईएस की पूरी लॉबी का खरीदकर पहले गुजरात को लूटा और बर्बाद किया। फिर उसने पूरी आईएएस लॉबी को पूरे देश में खरीदकर ईवीएम के फ्रॉड से चुनाव जीत और पूरी भाजपा व आर एस एस के वरिष्ठ नेताओं को ब्लैकमेल करके प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठ गया। 2014 में बैठते ही शांत कुबेर का खजाना हाथ लग गया तो देश दुनिया की यात्राओं पर निकल कर उसने रिजर्व बैंक राष्ट्रीयकृत बैंकों को लूटा और लाखों करोड़ बर्बाद किया। वहां अपने खास मित्रों अडानी अंबानी टाटा बिरला का वहां पर व्यवसाय प्रतिनिधि बनकर राष्ट्र के हितों को त्याग उनके लिए मोटे कमीशन पर हथियार और कपड़ा खरीद कर लाया। जब उसकी विदेश यात्रा पर ज्यादा हल्ला मचा तो आते ही उसने देश के लोगों को झाड़ू पकड़ा कर देश के वित्तीय संस्थानों की और महंगाई यूट्यूब परमिशन के लिए जनता के जेबों की सफाई करवा डाली। स्वच्छ भारत की आड़ में भी उसने देश की नगर निगम पालिकाओं से लेकर पंचायतों के लिए हिंदुजा टाटा महिंद्रा के लाखों करोड़ के मोटे कमीशन पर वाहन खरीद डालें। देश के अंदर लाखों करोड़ के 6लाख गांवों से लेकर 660जिलों के 3000 से शहरों वह अर्धशहरीय क्षेत्रों तक शौचालय के नाम पर सरपंचों से लेकर अपने नेताओं विधायकों मंत्रियों सांसदों को मोटी कमाई करवाई। इस बीच वह अपने पूंजीपति मित्रों और खास तौर पर गुजरातियों का लाखों करोड़ का ना केवल स्टेट बैंक का वरन 29 राष्ट्रीय कृत बैंकों द्वारा लगभग 50 लाख करोड़ से ज्यादा का दिया हुआ ऋण माफ करवा दिया। पूंजीपतियों के मोटे फायदे और छोटे व्यापार को खत्म करने के लिए उसकी जूस नहीं बहुराष्ट्रीय कंपनियों वॉलमार्ट अमेजॉन आईटीसी युनिलीवर के साथ रिलायंस रिटेल किराना आदि के लिए जनता के खर्चो गवार खरीद-फरोख्त का डाटा इकट्ठा करने और उसकी मानसिकता को समझने के लिए कैशलेस इंडिया का नारा दिया और अपने ही गुजराती मित्रों की बनाई हुई पेटीएम फोनपे आदि के उपयोग के लिए जनता को विवश कर छोटे दुकानदारों छोटे व्यवसायियों को खत्म करने का षड्यंत्र किया जाता रहा जिसका सीधा फायदा अदानी अंबानी टाटा बिरला आईटीसी यूनिलीवर के साथ वॉलमार्ट अमेजॉन और चीनी कंपनियों से मोटा कमीशन लेकर उनके लाभ के लिए कार्य करता और मिलता रहा।

इस बीच वह दो तीन बार जो चीन होकर आया

उसके फायदे के लिए उसने ही लगातार मुंह में स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया, लोकल फार वोकल चिल्लाता रहा। पर यथार्थ में देश के 20 लाख से ज्यादा लघु और मध्यम उद्योगों को खत्म करने, करोड़ों का बेरोजगार करने का षड्यंत्र भी चलता रहा। जिसका फायदा भी चीन को मिलता रहा यह करते-करते सन 2016 में 8 नवंबर को उसने नोटबंदी की घोषणा कर दी। और मित्रों बस 50 दिन करते-करते 6 महीने तक नगदी के अभाव में देश के कृषि, ट्रांसपोर्ट, गारमेंट, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, खिलौना, खाद्य, इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, आदि सैकड़ों सेवा प्रदाता, उत्पादन कर्ता उद्योग को चौपट कर के रखा। जिससे लगभग 30 करोड़ लोग बेरोजगार बैठे रहे। उसकी आड़ में लगभग 40 करोड़ जनधन खाते खुलवा कर जनता का 9 लाख करोड़ रू राष्ट्रीय कृत बैंकों में न्यूनतम शेष व अन्य शुल्कों के नाम पर हजम कर लिया। इसके बाद में भी जबकि बैंकों को संचालन लाभ करोड़ों में होता रहा परंतु बैंकों में जमा जनता के धन को हड़प कर में उसने 29 बैंकों को 12 बैंकों में बदल दिया। इसके साथ ही देश के आधारभूत सार्वजनिक सरकारी उद्योगों को को उन्हें पुणे में अपने पूंजीपति मित्रों को बेचकर मोटा लाल करवाने सार्वजनिक क्षेत्र को नष्ट करने का षड्यंत्र भी चलता रहा। अधिकांश उद्योगों में, सरकारी कर्मचारियों को कम करने के साथ अधिकांश सेवाएं मजदूर आदि आउटसोर्सिंग संविदा व ठेके पर रखे जाने लगे। स्वाभाविक था राज्यों में जहां लाखों कर्मचारियों कीसंविदा पर ठेके पर रखने पर 7000 से 10000 तक के वेतन के कारण क्रय शक्ति कम हो रही थी तो वहां वही पैसा धूर्त पूंजी पतियों के पास पहुंचा था जबकि यह षड्यंत्र यथार्थ में सरकारी उद्योगों संस्थानों विभागों को बेचने और पर नियंत्रण करने के षड्यंत्र का प्राथमिक हिस्सा है। ताकि अधिग्रहण करते समय उस में कार्यरत कर्मचारियों पर न्यूनतम वेतन खर्च करके अधिकतम लाभ कमाया जा सके।

नोटबंदी में जहां 40,000 से ज्यादा छोटी कंपनियों का अस्तित्व साफ हो गया वही लगभग 5 करोड़ मजदूरों कर्मचारी स्थाई बेरोजगार हो गए। दूसरी तरफ उन सब का फायदा भेडियो से जुड़े सारे व्यवसायियों कंपनियों पूंजी पतियों व्यापारियों को कई गुना हुआ। जबकि झूठे मक्कार जाहिल मोदी ने देश की जनता और दुनिया को बताया किससे आतंकवादियों की कमर टूट जाएगी यथार्थ में उनकी कमर तो नहीं टूटी? उल्टे ही नए जारी की गई नोटों की जाली करेंसी विदेशों से भी लाकर देश में खूब खपाई गई। जिससे उल्टे ही कश्मीर में पाकिस्तानी और देसी आतंकवादी ज्यादा मजबूत हो गए। दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था की और मध्यम वर्गीय निम्न मध्यमवर्गीय, मजदूर किसान जनता की कमर तोड़ी। उस नोटबंदी के घातक प्रहार से ज्यादा कमर टूटी हजारों लोगों ने उस परेशानी से व्यथित होकर आत्महत्या करने के साथ-साथ कई भूख और बेरोजगारी में तबाही से भी मरे और पर उन भेड़ियों को इसका तिल मात्र असर भी नहीं हुआ। इस परेशानी से बाजार उठ भी नहीं पाया था कि उसने 7 महीने बाद ही देश में जीएसटी लागू कर दिया जिसे आज तक जीएसटी काउंसिल से लेकर नीचे राज्यों के कर्मचारी अधिकारी नहीं समझ पाए और 1 जुलाई 2017 से लागू होने से पहले जैसा कि मैं लिख रहा था यथार्थ में है कानून अत्यधिक उलझन पूर्ण और आपराधिक तौर-तरीके का बनाया जाएगा जिसमें बड़े पूंजीपति बड़े आसानी से निकल जाए और छोटे व मध्यम पूंजीपति दुकानदार व्यवसाई उद्योगपति उस में उलझ जाए, और कानून की पेचीदगीयों मैं उलझ कर सही तरीके से कर भुगतान न कर सकें तो उन्हें आसानी से जेल पहुंचा कर उनकी सामाजिक आर्थिक उनकी कमर तोड़कर का व्यवसाय को बंद किया जा सके इस षड्यंत्र के अंतर्गत जीएसटी को देश के अंदर बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंबानी अडानी के साथ-साथ टाटा बिरला आईटीसी युनिलीवर के लिए विशेष तौर से लगाया गया उसका प्रभाव पड़ा लाखों छोटे व्यवसाई उद्योग आदि उसके चक्कर में बंद हो गए जिससे देश में बेरोजगारी भी बढ़ी। पर उस जाहिल को उससे कोई मतलब नहीं था बातें बस लंबी चौड़ी हक वाओ करवा लो बाकी काम तो है पूजी पतियों के सारे पर उनका मोटा व्यवसाय करने के लिए ही कर रहा है यह सब चल ही रहा था इसी बीच उसने धीरे धीरे सर की संपत्तियों को जिसमें सबसे पहले बैंक बैंकों के बाद बीमा कंपनियां जिसमें उसने 100% विदेशी निवेश की छूट दे दी जबकि यही दूरियों का झुंड पार्टी के लोग जब विपक्ष में थे तो 49% से ज्यादा के विदेशी निवेश को रोकने के लिए हंगामा धन्य प्रदर्शन किया करते थे पर सत्ता में आते ही वह सब भूल गए और ना केवल बैंक बीमा यहां तक कि उन्होंने दूरसंचार के क्षेत्र में भी 100% बहुराष्ट्रीय कंपनियों को देश के अंदर कार्य करने की छूट देकर 100% विदेशी बहुराष्ट्रीय दूरसंचार कंपनियों का देश के जमे जमाए दूरसंचार की संरचना को तहस-नहस कर 130 करोड़ लोगों के साथ तो घात तो किया ही। साथ ही देश की न केवल जनता वर्ण सारे के सारे विभागों उस में कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों से लेकर रक्षा कर्मियों के मोबाइलों की भी जासूसी करवाने का खुला आमंत्रण देकर देश को बर्बाद करने की आधारशिला रखी। जबकि पहले से ही इंटरनेट पर गूगल के सर्च इंजन और ईमेल के माध्यम से देश के सभी विभागों की गोपनीयता को विदेशी कंपनियों के हवाले करने का षड्यंत्र चल ही रहा है। इसकी दूसरी तरफ वही जानकारियां जब सूचना के अधिकार में देश के नागरिक मांगते हैं तो उसको गोपनीयता का हवाला दिया जाता है जबकि उनकी गोपनीयता पिछले 10 सालों से गूगल के हवाले करके व्यवसायिक उपयोग करने और जासूसी करने के काम आ रही है। यह सब कुछ देश के इन भाइयों को बिल्कुल भी समझ में नहीं आ रहा उल्टा ही वह सूचना के अधिकार को भूसा बनाने और खत्म करने का षड्यंत्र करते रहते हैं जबकि वही सारी जानकारी गूगल के सारे ऐप के माध्यम से ईमेल, अनुवाद, कॉन्फ्रेंसिंग, क्लाउड स्टोरेज के माध्यम से यहां से हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका में संग्रहित कर ली जाती हैं और बाद में सरकारी फैसलों के ऊपर बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने निर्णय तैयार करती व थोपती रहती हैं। वित्तीय प्रबंधन में भयंकर जालसाजी, हेरा फेरी करने के साथ अपनी मौज मस्ती के लिए और विदेश यात्राओं, खास तौर पर अमेरिका में हावडी मोदी, मैजिक मोदी, रू 41लाख करोड़ रिजर्व बैंक से किस्तों में निकाल लिया गया, फिर भारतीय जीवन बीमा निगम से रुपए डेढ़ लाख करोड़, सारी तेल कंपनियों से न केवल लाभ के नाम पर धन वसूला, साथ ही उन कंपनियों को कमजोर करने के लिए एक तरफ तो रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी से उत्पादित पेट्रोल डीजल जिसमें 38-40 ऑक्टेन का पेट्रोल होता है इंसान व्यक्ति के नाम पर लिखवाया जाता रहा और उसमें हजारों करोड़ प्रतिदिन का मोटा लाभ कमाया जाता है। जिसका भुगतान जनता को पेट्रोल डीजल में कम माइलेज मिलने के कारण चुकाना पड़ता है। यह सब जालसाजी हरामखोरी मोदी का सरंक्षण में रिलायंस को लाभ पहुंचाने के लिए की जाती है।

राष्ट्रीय कृत बैंकों से न केवल न केवल उनका लाभ बटोरा गया। वरन लाखों करोड़ का गुजराती पूंजीपति मित्रों का हजारों करोड़ का कमीशन खाकर माफ करवाने के साथ विदेशों में भी भगा दिया गया। इसके बाद में भी जनता का पैसा हजम करने व लूटने के लिए बैंकों का संविलयन भी किया गया। जिसमें उदासीन खातों का ही लाखों करोड़ रु हजम कर लिया गया। चेन यहां तक नहीं पड़ा जनता को लूटने और बैंकों को भविष्य में लूटते रहने के लिए अब स्टेट बैंक हर बार पैसे मशीन से जमा करने पर भी रुपए 25 का चार्ज लगाकर हजारों करोड़ रुपए जनता से लूटे जा रहे हैं जबकि पैसे निकालने पर भी उस हरामखोर चांडाल ने सेवा शुल्क के साथ में रु. 175 चार ट्रांजैक्शन के बाद ठोक दिया जिसमें रु. 28 का जीएसटी वसूलने के बाद लगभग रु. 203 प्रति बार पैसा निकालने का भी वसूलना शुरू कर दिया गया आखिर बैंकों को बनाया किस लिए गया था जब पैसा जमा कर लो पैसा निकालने पर भी वसूली कर रहे हैं और उसके साथ ही साथ जनता को जमा धन से ही लाखों करोड़ की जालसाजी अब बैंक के अधिकारी कर्मचारियों से लेकर वित्त मंत्री तक कर और करवा रही है तो बैंकों का और औचित्य कहां रह गया? यह भी महंगाई का कारण बढ़ने के साथ-साथ जनता से लूट का साधन बन चुका है। इसके साथ सरकारी संपत्तियों इसमें हर राज्य के विद्युत मंडलों को बांट कर अटल बिहारी के समय बनाई गई कंपनियां भी बेच बेच के पैसा कमाया जा रहा है और सारा माल जो लाखों करोड़ का है हजारों करोड़ में भी नहीं बेचा जा रहा वर्णन तो मोटा कमीशन हजम कर सैकड़ों करोड़ में ही अपने वह सूअर चांडाल मित्र अडानी को सौंपा जा रहा है। रेलवे का हाल पहले स्टेशन फिर माल गाड़ियां बाद में यात्री गाड़ियां इस कोरोना की आड़ में अडानी को कबाड़ के भाव सौंप दी गई हैं। तेल बीमा भेल सेल गेल बेल को भी कबाड़ के भाव बेचा जा रहा है हवाई अड्डे अड़ाणी को बेचने के साथ, पूरी एयर इंडिया को भी हजारों करोड़ का कमीशन खाकर मात्र 18000 करोड़ में पुनः टाटा को सौंप दी गई। जबकि एयर इंडिया के बेड़े में 132 प्लेन थे। उनकी कीमत तो दूर एयर इंडिया की सभी विमानपत्तन ओं और सभी बड़े शहरों में जो कार्यालय कैंपस की जमीन थी उसकी कीमत ही 18000 को से ज्यादा थी। और सब कुछ कबाड़ के भाव में उस हरामखोर रेलवे का चोरी कर कबाड़ बेचने वाले कबाड़ी बाप की औलाद ने हीं देश का प्रधानमंत्री बन कर संस्थानों को कबाड़ बनाकर बेचने में अपनी महानता समझ रहा है। शास्त्रों में और कविताओं में कहा जाता है बाकी गुंडा बदमाश लोफर टाइप की जो औलाद होती है वह अपने बाप के जमे जमाए पुश्तैनी संपत्तियों को बैठ कर खाते हैं और जब प्रतिभाशाली मेहनतकश ईमानदार बेटे पुत्र और नेता होते हैं वह अपने पूर्वजों बुजुर्गों और बाप दाताओं की संपत्ति को बेच कर ही खाते हैं।

वही हाल मोदी उसके भेढ़िया झुंड पार्टी कर रही है कुछ लोग आवाज उठा रहे हैं जिसमें मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक नितिन गडकरी भी बार-बार पर उनकी आवाज दबा दी जाती है और जो सचमुच बुद्धिजीवी देश भक्त वरिष्ठ भाजपाई, मोदी ने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया था। जिसमें स्वर्गीय सुषमा स्वराज स्वर्गीय अरुण जेटली स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर स्वर्गीय दवे थे, की चिकित्सीय हत्या कर दी गई अब जितने भी हैं वो आपराधिक मानसिकता के मोदी और अमित शाह की गुंडागर्दी के सामने मुंह नहीं खोल रहे हैं जिसका वह भरपूर दुरुपयोग कर देश की संपत्तियों को बेचने के साथ कोरोना की महामारी के पाखंड की आड़ में देश को तबाह कर चुका है।

कोरोना महामारी में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पाखंड के विरुद्ध अकेला योद्धा जो पूरे विश्व में भय फैला लूटो संगठन व अमेरिका, चीन के विरुद्ध लगातार वीडियो लोड कर जागृत करता रहा जनता को, देखें

www.samaymaya.com

सीधे बिना किसी डाउनलोड, घंटी दबाने, सबस्क्राईब करने, दर्शक का डाटा चुराने संग्रहित करने की जालसाजी व सभी प्रकार की वसूली से मुक्त

facebook.com/samaymaya
twitter.com/samaymaya1
linkedin.com/samaymaya
vimeo.com/samaymaya

youtube.com/samaymaya
को 15 जून 20 को यूट्यूब ने ब्लॉक कर दिया

साप्ताहिक समय माया

इंदौर नगर निगम चुनाव

महापौर प्रत्याशी प्रवीण कुमार अजमेरा

जन संघ पार्टी
JAN SANGH PARTY

• ठेले वाले व पग मार्गों पर अपनी साग भाजी दूध आदि हाट बाजार की सामग्री बेचकर जीवन गुजारा करने वालों के लिए सुबह 7:00 से 10:00 और रात्रि में 8:00 से 11:00 तक सड़कों पर 20 फुट दाएं बाएं वाहनों के लिए मार्ग छोड़कर, छूट रहेगी। उसमें कोई भी पीली निगम की, खाकी पुलिस की कोई दखलंदाजी व वसूली नहीं होगी। इससे शहर के 50000 लोगों को तत्काल रोजगार मिल जाएगा।

• इंदौर वासियों के निगम के कोरोना काल के सन 2020 व 21के अप्रैल से सितंबर तक 6-6 महीने के टैक्स माफ कर दिए जाएंगे।

• निगम द्वारा किसी भी प्रकार की कोई अवैध वसूली सफाई के नाम पर इंदौर वासियों से नहीं की जाएगी। क्योंकि कचरे से निगम गैस व खाद बनाकर मोटी कमाई करता है।

• निगम की सीमा में प्रतिदिन कम से कम आधा घंटे जलापूर्ति की स्थाई व्यवस्था की जाएगी।

• जलापूर्ति के 50 साल पुरानी स्थाई स्त्रोतों यथा नदियों तालाबों बावड़ियों को पुनर्जीवित कर उनके जल उपयोग के साथ उनका सौदर्यीकरण भी किया जाएगा।

• वर्षा के जल को मोहल्लों में रोक कर सभी बाग बगीचों में जालीदार कुए बनाकर पानी को एकत्रित कर धरती में उतार कर पुनः सारे ट्यूब बेल्स को भी रिचार्ज कर भूजल स्त्रोत का स्तर ऊपर उठाने का प्रयास किया जाएगा।

• सार्वजनिक स्वच्छ जल की प्रयोग लगाकर प्रदूषण व जनता का स्वास्थ्य बिगाड़ने वाली प्लास्टिक की जल की बोतलों का प्रयोग न्यूनतम किया जाएगा।

• सड़कों की बार-बार तोड़ फोड़ से भ्रष्टाचार कर हजम किए जाने वाले धन का अपव्यय रोकने जनता की परेशानियों को खत्म करने वाह दुर्घटनाओं से जन सुरक्षा के लिए सड़कों के दोनों तरफ 2-2 फुट की ढकी हुई सीमेंट ब्लॉक से खंतियों का निर्माण कर दिया जाएगा ताकि पाइप लाइनों केवल लाइनों जल निकासी स्टॉर्म वाटर लाइन डालने सुधार, मरम्मत आदि की व्यवस्था बिना सड़क खोदे स्थाई रूप से की जाएगी।

• शहर की सड़कों के सारे यातायात संकेतकों को भीड़ वाले क्षेत्रों में 30 किमी प्रति घंटे की, प्रति मिनट 500मीटर और कम सघन क्षेत्रों में 45 किमी प्रति घंटे की गति से प्रति मिनट 750मी. की गति पर समय निर्धारित कर दिए जाएंगे। जिससे वाहन चालक निर्बाध एक छोर से दूसरे छोर तक निकल सकें। ताकि अनावश्यक पेट्रोल डीजल बर्बाद ना हो प्रदूषण को नियंत्रण किया जा सके वाह चालकों का समय बचाया जा सके।

• जनता का डाटा 311 एप के माध्यम से गूगल व माइक्रोसॉफ्ट के पास इकट्ठा होता है। साथ ही उसके मोबाइल नंबर से वह डाटा हैकर्स चुराकर भविष्य में दुरुपयोग कर सकते हैं। इसके लिए इंदौर नगर निगम की साइट पर ही अपनी शिकायतों आवेदन डालने की स्वतंत्र व्यवस्था की जाएगी। ताकि जनता का डाटा और उसके मोबाइल नंबरों की गोपनीयता सुरक्षित रखी जा सके।

• हर मोहल्ले में निगम के होम्योपैथिक निशुल्क चिकित्सा केंद्र खोले जाएंगे। ताकि अधिकांश बीमारियों का इलाज न्यूनतम खर्च से बिना डॉक्टरों के चंगुल में फंसे किया जा सके।

• सफाई शुल्क नगर निगम कर्मचारी घर, दुकानों, पर आकर वसूलते हैं। पूरी तरह से खत्म किया जाएगा या जब नगर निगम कचरे से खाद और गैस बनाकर बेंच रहा है। तो जिससे जितना कचरा लिया जाएगा। रु. 5 प्रति किलो का भुगतान किया जाएगा।

• प्रातः 10:00 से 12:30 बजे तक सांय 5:30 से 8:00 बजे तक यातायात संकेतकों का समय 40 सेकंड सघन यातायात क्षेत्रों में, अन्य क्षेत्रों में अधिकतम 20 सेकंड, बाकी समय में सघन क्षेत्रों में 25 सेकंड कम यातायात वाले क्षेत्रों में 15 सेकंड का हरा संकेत रहेगा। सारे संकेतकों को समय और दूरी के हिसाब से संयोजित किया जाएगा। ताकि हर चौराहे पर भीड़ इकट्ठी ना हो यातायात सुगम चलता रहे।

• पग मार्गों की रात्रि कालीन व्यवस्था में स्वतंत्र खंभों पर और चौराहे की सारे संकेतकों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा।

• सभी प्रकार के टेंडर, खरीद, निर्माण, सारे धन की आवक, वसूली, खर्च जावक का सारा लेखा-जोखा सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत निगम की साइट पर आंचलिक कार्यालयों के हिसाब से सार्वजनिक किया जाएगा।

• सन 2000 से अभी तक निगम ने सड़कों से लगभग 2लाख गायें उठाई। वहां के कर्मचारी अधिकारियों ने अधिकांश को कसाईयों को बेचकर, उनके चारा दवाई आदि का पैसा भी उसका पैसा हजम कर गए। इससे संबंधित सभी अधिकारियों कर्मचारियों की जांच बैठा कर सार्वजनिक कर भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अंतर्गत सभी पर मुकदमा चलाया कर सजा के साथ उनकी संपत्तियों पर भी बुलडोजर चलाने की कार्यवाही की व्यवस्था की जाएगी।

• बच्चों के लिए सार्वजनिक उद्यानों में खेलने की सुविधा के साथ, पढ़ाई की व्यवस्था भी की जाएगी। ताकि प्रकृति का आनंद लें, पढ़ाई कर सकें।

• बच्चों को उद्यानों में वृक्षारोपण, जल सिंचन, बागवानी की प्रायोगिक शिक्षा दी जायेगी। ताकि वे पर्यावरण की समझ व सुरक्षा के साथ भविष्य में हरियाली और वृक्षों के महत्व को समझ उसके निरंतर विकास में सहयोगी बनें।

• हर हाल में धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों से शराब दुकानें 500 मीटर दूर हों। इसका कड़ाई से पालन किया जाएगा।

• नगर के भारी यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में बैलगाड़ी

निकट भविष्य में जनहित में किए जाने वाले कार्यों की सूची

चालन पूरी तरह बंद किया जाएगा।

• 10000 वर्ग फुट से ज्यादा के उद्यानों में निशुल्क पुस्तकालय की व्यवस्था की जाएगी।

• शहर में 1 जीबी की गति का डाटा खड़े किए गए टावरों से निशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा।

• नगर के भारी यातायात वाले क्षेत्रों में तत्काल 30X9 वर्ग फुट की बसों का संचालन बंद कर, 20X6 वर्ग फुट की बसें संचालित की जायेंगी।

• नगर में लगे कैमरो से दुर्घटना वाले मोड़ों, चौराहों, मार्गों की पहचान कर, सुधारों की व्यवस्था की जाएगी।

• 700 वर्ग फीट तक के नक्शे निगम से निशुल्क स्वीकृत किए जाएंगे। 700 वर्ग फिट से 1200 वर्ग फुट के नक्शे रुपए 3 प्रति वर्ग फुट में स्वीकृत किए जाएंगे।

• किसी भी नए कंक्रीट सड़क निर्माण से पहले, दोनों तरफ दो 2 वर्ग फुट की खंतियां, जल निकासी जलापूर्ति गैस पाइप लाइन केबल पाइप लाइन आदि के लिए निर्माण से पहले ही बना दी जाएंगी। ताकि जनधन भी बर्बाद ना हो और जनता को बार-बार सड़क खोदने से दुर्घटनाओं व परेशानियों का शिकार ना होना पड़े।

• सभी मोहल्लों में होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक निशुल्क चिकित्सालय खोले जाएंगे।

• हर मोहल्ले के बाग बगीचों में लॉन टेनिस टेबल टेनिस बैडमिंटन कबड्डी खो-खो मैदानों की निशुल्क व्यवस्था करवाने के साथ हर वर्ष निगम की तरफ से मोहल्ला स्तर से जिला स्तर तक प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी ताकि खेलों का विकास हो सके।

• पूरे इंदौर और हर मोहल्ले की सभी कंक्रीट सड़कों का टोपो और कान्टूर मैप से त्वरण बैग से वर्षा के जल को मोहल्ले में स्थित बाग बगीचों के जालीदार 10X10 फुट के जालीदार गड्ढों में पानी उतारकर हर मोहल्ले के भू जल स्तर को बढ़ाकर, पूरे साल ट्यूबवेल में पानी मिलते रहने की व्यवस्था की जाएगी।

• सड़कों के डिवाइडर और दोनों और सघन वृक्षों का रोपण। हर मार्ग संकेतकों के दोनों तरफ वृक्षारोपण या अन्य तरीके से सघन छाया की व्यवस्था करना ताकि गर्मी और बरसात में चालकों को संकेतक के हरे होने का इंतजार करने में पसीना ना बहाना पढ़े और बरसात में गीला ना होना पड़े।

• सभी नगरीय और नगर के आसपास के मार्गों पर मार्ग विभाजकों और दोनों और वृक्षारोपण के साथ हर 200 मीटर पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

• निगम द्वारा व्यापारियों के चालान तत्काल ना काटे जा कर वीडियो के साथ शिकायत पर ही स्वीकार किए जाएंगे और उनका भुगतान निगम के काउंटर पर या ऑनलाइन किया जा सकेगा।

• सभी सफाई कर्मियों का हर 6 माह में, सड़कों की सफाई, घर के पिछवाड़े की सफाई, नालियों सीवर टैंक की सफाई के सभी कर्मचारियों का 6 महीने में क्षेत्र बदल दिया जाएगा ताकि कोई लैट्रिन बाथरूम की नालियां छोड़कर उसमें ईंट, बोरे, बोतलें फंसा अवैध वसूली ना कर सके।

• सभी पुराने वर्तमान और नए मास्टर प्लान, नगर की संपत्तियों का कंप्यूटरीकरण किया जाकर ऑनलाइन कर दिया जाएगा।

• चोराहों पर लगे कैमरों को नगर निगम, यातायात पुलिस के कमरों को ऑनलाइन जनता को देखने के लिए कर दिया जाएगा ताकि कहां कितनी भीड़ चल रही है वह आसानी से सीधे कैमरों के प्रसारण माध्यम से देखकर मार्ग का चुनाव कर सुविधानुसार यात्रा पूरी कर सके।

• हर मोहल्ले के हिसाब से सरकारी खाली पड़ी जमीन पर ठेले वालों फुटपाथ बालों के लिए हाट बाजार की स्थाई व्यवस्था की जाएगी।

• सभी निगम के शिक्षण संस्थानों के कायाकल्प के साथ शिक्षकों के निमित्त परीक्षाएं व प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी तरकी आम गरीब नागरिक का बच्चा आठवीं तक निशुल्क शिक्षा ग्रहण कर सकें।

• सार्वजनिक निर्माण के संबंध में जैसे फ्लाईओवर सड़कें पार्किंग आदि की घोषणा से पहले संबंधित स्थान पर बोर्ड लगाकर और जानकारी निगम की साइट पर डालकर जनता के दावे सुझाव और आपत्तियां लेकर उन सभी परियोजनाओं का पुनरावलोकन कर ही निर्धारित कर सर्वमत से ही टेंडर जारी किए जा सकेंगे।

• शहर से 5 किमी दूरी पर हर सड़क व चारों तरफ दुग्ध उत्पादकों को सरकारी जमीन पर अपने दुधारू पशु पालने व दूध संग्रहित कर बाजार में बेचने व बांटने की व्यवस्था की जाएगी।

• निगम द्वारा पकड़ी गई व गौशालाओं में रखी गई युवा गायों को पालने के लिए आजू बाजू के दूध उत्पादकों को पट्टे पर दे दिया जाएगा ताकि उनको पालने ब साथ उनके दूध उत्पादन की व्यवस्था पालक कर बेंच सकें।

• इंदौर की ऐतिहासिक नदियों के जल संग्रहण बहाव क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर पुनः जागृत कर उसमें नर्मदा जल प्रवाहित कर नगरीय क्षेत्र के भूजल स्तर को बढ़ाना।

• अधिकांश निगम की सीमा के मार्गों के प्रकाश व्यवस्था को सौर स्वचालित व्यवस्था में परिवर्तित करना।

• इंदौर नगर निगम की सीमा पर चल रहे सभी नारंगी और लाल धर्म श्रेणी के घातक उद्योगों को नगर से बाहर कर, उनकी पुनर्स्थापना की व्यवस्था

• इंदौर की कपड़ा मिलों को जो इंदौर के विकास की साक्षी रही है पुनः जागृत करने के लिए जन सहयोग और सरकार के सहयोग से जागृत कर पुराना वैभव लौटाने का प्रयास किया जाएगा

• पिछले 25 सालों में बंद किए गए सारे तालाबों, कुओं बावड़ियों पर किए गए सारे कब्जों को हटा कर पुनः मूल स्वरूप में लाकर पेय जल योग्य बनाना।

• पिछले 22 साल में, जल निकासी पर रु 3000 करोड़, जलापूर्ति पर किए गए कुल रू. 3000 करोड़ खर्च का भौतिक डीपीआर के साथ उस समय लागू लोनिवि के एस ओ आर से मुल्यांकन कर दस्तावेजी पुनः अंकेक्षण के बाद सभी आयुक्तों से लेकर इंजीनियरों व ठेकेदारों पर भ्रष्टाचार की जांच कर सभी दोषियों पर एफ आइ आर की जाने के बाद धन की वसूली के साथ सजा की व्यवस्था।

• 540 MLD पानी का भौतिक अंकेक्षण के साथ

डीपीआर की व्यवस्था के साथ जलापूर्ति की कहां व्यवस्था की गई थी। पानी आने के बाद किन कालोनियों, फैक्ट्रियों को आपूर्ति में कितने करोड़ किसने हजम कर वास्तविक हकदारों का हक छीना गया। की जांच कर पुराने रहवासियों के लिए नर्मदा जल की व्यवस्था की जाएगी।

• निगम की सड़कों पर प्रति वर्ष मरम्मत पर रु. 300करोड़ खर्च नई सड़कों के निर्माण पर रु.1000 करोड़ से ज्यादा का खर्च के बाद भी खराब सड़कों से दुर्घटनाओं की जांच करवा कर, अंकेक्षण, डीपीआर से जांच मुल्यांकन भ्रष्टाचार पाये जाने पर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही।

• सभी नेताओं पार्षदों के अनुशंसा और उनके रिश्तेदारों जो वहां मजदूरी पंजी पर कार्यरत हैं। मुफ्त की तनख्वाह ले रहे हैं। कोई काम धाम नहीं करते हैं। सबको नौकरी से हटाने धन की वसूली करने और सब के खिलाफ एफआईआर लिखवा कर सब को अंदर करने की व्यवस्था की जाएगी।

• निगम के सारे स्कूलों में अच्छी शिक्षा के लिए, सभी स्कूलों का शैक्षणिक स्टाफ का कायाकल्प।

• कोई भी बाजार व्यवस्था, विद्युत, निगम के बगीचों के, सफाई कर्मचारी, दरोगा, जोन इंचार्ज एक ही स्थान पर 6 महीने से ज्यादा काम नहीं करेगा।

• कोई भी प्रतिनियुक्ति पर आया कर्मचारी अधिकारी इंजीनियर डॉक्टर 3 बार से ज्यादा होने पर तत्काल स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

• निगम की संपत्तियों, से आय की व्यवस्थाओं का पुनर्मूल्यांकन।

• तत्काल बीआरटीएस की सारी रेलिंग हटा दी जाएगी। और यातायात को सुचारू शुभम बनाया जाएगा।

• कृपया इस घोषणापत्र को कोई भी भाजपा आप या कांग्रेस पार्टी के नेता अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल ना करें इसे पिछले 20 साल में अपने अनुभव व मेहनत से इंदौर के विकास के लिए जो स्वप्न देखे। वह जनता को प्रस्तुत हैं।

जय हिन्द, जय भारत

साप्ताहिक समय माया

आने वाली पीढ़ी के लिए बचना नहीं चाहिए नदी तालाब पहाड़ और जंगल

खनन से खनका रहे माफिया के साथ मुख्यमंत्री मंत्री और अधिकारी

पूरे प्रदेश में चारों तरफ अवैध खनन को माफियाओं के साथ प्रश्रयदे रहे जिलाधीश एवं सहायक के साथ जिला खनन अधिकारी अकेले इंदौर में ही चारों तरफ इंदौर के बाहर की पहाड़ियों को खोदकर बड़े नेता जिसमें शुक्ला बंधु सबसे आगे हैं रेवती रेंज की पहाड़ियों को खोदकर अधिकांश को साफ कर दिया गया यही हाल जवाहर टेकरी से लेकर धार रोड पर नेमावर रोड पर ट्रेंचिंग ग्राउंड के पीछे की पहाड़ियों पर बस उसे खुदाई करके कई स्थानों पर पूरी पहाड़ियां गायब कर दी गई कई स्थानों पर नेमावर रोड पर सौ 100 फुट ऊंची पहाड़ियों को काटकर आधा कर दिया गया इंदौर के खनिज अधिकारी जो बरसों से यहां जमे हुए हैं बार-बार जांच की बातें कही गई पर पिछले चार-पांच सालों में कुछ भी नहीं हुआ क्योंकि उन्हें आने वाले सभी जिलाधीश हो और उप जिलाधीश का भी उन माफियाओं के साथ मिलकर अवैध खनन में भारी मोटी कमाई का हिस्सा रहता है इसलिए पूर्ण सरंक्षण मिला रहता है वहां पर बैठे उसे लेकर बाबू बा कर्मचारी भी

क्यों के इशारे पर न केवल नाचते हैं वरन सूचना के अधिकार में जानकारी मांगने पर वे हर बार टरका देते हैं और अपील लगाने पर वहां बैठे उनके सरंक्षणता हरामखोर जिलाधीश भी उन अपीलों को आसानी से खारीज कर देते हैं बार-बार कहा जाता है सारी जानकारियां साइट पर अपलोड है परंतु सच तो यह है कि निरीक्षक से लेकर जिला खनन अधिकारी से जिलाधीश तक सभी बड़े खनन माफियाओं जिसमें दोनों ही पार्टियों के नेता शामिल रहते हैं पूरी तरह सही पूर्ण सरंक्षण के साथ जल जंगल जमीन नदी तालाब पहाड़ उजाड़ अपनी मोटी कमाई में लगे हुए हैं यह हाल पूरे मध्यप्रदेश का है।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहानउनके भाई भतीजे वाह रिश्तेदार के 700ज्यादा डंफरों से लगातार 15 वर्ष तक होशंगाबाद के आसपास नर्मदा से अवैध बालू खनन करने और की राजधानी भोपाल में बैचकर भारी मोटी कमाई कर रहे। जिसे होशंगाबाद कलेक्टर से लेकर भोपाल कलेक्टर रायसेन कलेक्टर विदिशा कलेक्टर तक का पूर्ण सरंक्षण उस अवैध कार्य में मिला हुआ था। क्योंकि वह सब मुख्यमंत्री और उनके रिश्तेदारों के थे दूसरी तरफरीवा का बड़ा भूमाफिया और खनन माफिया राजेंद्र शुक्ला को का खनिज मंत्री का प्रभार दे रखा था जब डकैत को ही कोठार दे दिया जाए। सुहाग दिखाएं कि वह और उसका ग्रुप पूरे प्रदेश में ना केवल गोड खनिजो वरन मूल्यवान खनिजों में माइका, जिप्सम से लेकर बहुमूल्य खनिजों और रत्नों जो छतरपुर, पन्ना आदि में पाए जाते हैं। की भी भारी अवैध खनन से मोटी कमाई नेता मंत्री अधिकारी आंख मीच कर करने में लगे हुए थे।

बारिश में वृक्षारोपण जरूर करें

हर खेत, उद्योग, घर की मेड़ पर, पेड़ लगायें।

पर्यावरण बचायें।

जल वायु शुद्ध, स्वास्थवर्धक बनायें।

पृथ्वी की जीवन यात्रा के सहयात्री सखा एवं सहेलियों।

आने वाली वर्षा ऋतु में, खेतों की मेडों, व जहां संभव हो, घर, उद्योगों में गमलों में, कार्यालय के आसपास फलदार, छायादार, औषधियों के वृक्षों, पौधों का वृक्षारोपण अवश्य करें। जहां वृक्ष हों, उनकी सुरक्षा करें। वर्षा के अतिरिक्त जल सिंचन की व्यवस्था करें।

वृक्षों से मानव व अन्य सभी प्राणियों को न केवल औषजन प्राणवायु वरन वृक्षों की हर वस्तु उपयोगी होती है।

पतझड़ पर उनके पत्तों के औषधीय प्रयोग न करने पर भी, उनके पत्तों को गोबर, छाछ आदि के सड़ा कर केंचुए डाल अच्छा खाद बना, खेती में, पेड़ पौधे की जड़ों में डाल भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में सहायक होता है।

खेती में नाइट्रोजन युक्त खाद डालने से तात्कालिक उर्वरा शक्ति से अच्छी फसल ली जा सकती है। और ली जा रही है।

परंतु यह रासायनिक खाद दीर्घकालिक भूमि की उर्वरा शक्ति को स्थायित्व नहीं दे सकती। इससे वर्षा ऋतु में जो पानी खेतों से होकर नदियों मैं मिलकर जल में उस नाइट्रोजन को घोल जल में औषजन को कम कर जलीय जीवों की समाप्ति कर रहा है। इससे ना केवल वर्षा का चक्र बिगड़ता है। वरन पूरे जल वायु चक्र को प्रदूषित कर सभी प्राणियों के जीवन के लिये घातक, बीमारियों का कारण बन रहा है।

इसका एकमात्र उपाय है।

गहन व सघन वृक्षारोपण, व उसकी पत्तियों, फसलों के अवशेषों को, एकत्रित कर गोबर के साथ गड्ढों में सड़ा कर तैयार खाद का रासायनिक खाद के स्थान पर प्राचीन काल की तरह जैविक खाद तैयार कर कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति को स्थायित्व देना।

इस को न केवल आप गंभीरता से समझें। वरन वर्तमान की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बना समझायें। उन्हें वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित करें।

वर्तमान में भी पौराणिक आयुर्वेद की श्रेष्ठतम चिकित्सा पद्धतियां

पिछली एक शताब्दी से चलने वाले यूरोप की दवा निर्माता कंपनियों के विक्रय प्रबंधन व संवर्धन संगठन ने विश्व स्वास्थ संगठन का गठन ही इसलिए किया गया कि दुनिया की सरकारों को खरीद कर अपने भय फैलाकर जनता को डराने और मोटी कीमतों पर मूर्ख बना कर हजारों किलो कीमत पर माल बेचने के लिए कार्य करें यह भी संयुक्त राष्ट्र संगठन बनाम संयुक्त शैतान संगठन की अनुषांगिक शाखा है। यदि सचमुच विश्व स्वास्थ्य संगठन होने का पाखंड किया भी था तो सबसे पहले यहां बैठे जालसाज डकैत पदाधिकारियों को अपना औचित्य सिद्ध करने के लिए सबसे पहले विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का अध्ययन संवर्धन और अनुसंधान करना, शिक्षा देना चाहिए था और उसके आधार पर उन मैं वर्णित रोगों और औषधियों पर भी कार्य कर अपने विश्व के स्वास्थ्य संगठन होने के नाम की सार्थकता सिद्ध करनी चाहिए थी पर उन हरामखोर जालसाज ओं ने पिछले 100 सालों के इतिहास में अपने मन से बनाए उल्टे सीधे रसायनों उन से पैदा होने वाली बीमारियों के ऊपर नई दवाइयों नए चिकित्सा उपकरणों इंजेक्शन, टीकों, मशीनों को बेचने के षड्यंत्र में नए-नए कांड करते रहे। जबकि आयुर्वेद धरती पर सबसे प्राचीन पौराणिक चिकित्सा पद्धति की सार्थकता को पूरा विश्व अब समझ रहा है। आयुर्वेद धरती पर मानव सभ्यता के विकसित होने के साथ साक्षात विष्णु अवतार धनवंतरी ने हीं लाखों साल पहले क्योंकि अगर रामचंद्र जी त्रेता युग में पैदा हुए थे और राम सेतु 4.5 लाख साल पुराना है, तो स्वाभाविक है लक्ष्मण को जब शक्ति लगी तो हनुमान जी संजीवनी बूटी अर्थात औषधि लेकर आए थे और औषधियों का विकास जिस की पूरी गाथा आयुर्वेद में चार वेदों का महत्वपूर्ण वेद प्रस्तुत कर दी गई थी बाकी जितने भी बाद में आए यह सब कहने और दिखाने वाली बातें हैं और आयुर्वेद में ना केवल जड़ी बूटियों से, सुगंध, अर्थात गंध चिकित्सा, प्रकाश रश्मियों, प्राणियों के अंगों से, तंत्र मंत्र, योग, कॉल, ज्योतिष, व्यायाम आदि अनेकों पद्धतियां दी गई हैं जानबूझकर इन हरामखोर अंग्रेजों ने जिनकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में विकसित करना शुरू कर दिया था, भारत पर इन सब को पिछले 50 साल में हमारी बिकी हुई सरकारों ने थोप दिया। दूसरी तरफ हमारे मसाले जो दुनिया में, न केवल भोजन को स्वादिष्ट बनाने वालों की आयुर्वेदिक औषधियों के रूप में लाखों वर्षों से विद्यमान रहे जो हमारे घर में दैनिक प्रयोग में आज भी भोजन में उपयोग किए जाते हैं यथार्थ में सभी आयुर्वेदिक औषधियां हैं। जितनी भी औषधियां बाद में आंई जितने भी विचारक बाद में आये उन्हीं पर आकर काम करते रहो। अपना नाम करते रहे। और खाड़ी

देशों व यूनान में भी जो यूनानी चिकित्सा पद्धति विकसित हुई वह भी पूर्णतः आयुर्वेद का आधार लेकर ही विकसित की गई। विशाखा आयुर्वेद के आधार पर वाग्भट, सुश्रुत चरक सहित आए लिखी गई जो आयुर्वेद कहीं विकसित रूप थी और उसमें विश्व की जटिलतम बीमारियों के विस्तृत वर्णन और चिकित्सा पद्धतियां दी गई है पर यह हरामखोर जालसाजी यूरोप की कंपनियां जानती हैं क्या करूं को विकसित कर दिया गया तो हमारा नामोनिशान और लूट का धंधा बंद हो जाएगा। इसलिए उन्होंने एक विश्व स्वास्थ संगठन जो यथार्थ में 1920-30 से विश्व में दहशत फैला माल बेचना, बनाकर जो उनकी सेल्स प्रमोशन एजेंसी है जिसका काम वहां की सरकारों को खरीद कर स्वास्थ्य मंत्रालयों के द्वारा भय/ दहशत फैलाना अपना माल बेचना और जनता को लूटना है। जिसका सफल का क्रियान्वयन भारत में पिछले 70 साल से चल रहा है और कोरोना उसी पाखंड का हिस्सा है। जनता स्कूल समझे भय और दहशत से दूर सबसे पहले बहुराष्ट्रीय कंपनियों का पैकेज्ड फूड जिसमें आयोडीन नमक से लेकर आटा, तेल, बिस्कुट, चॉकलेट, पेय पदार्थ, डबल रोटी, मसाले, बोतलबंद पानी आदि जिनमें सब में कीटनाशक और प्रिजर्वेटिव रसायन मिलाए जाते हैं स्वास्थ्य के लिए गौर घातक हैं और इन्हीं विषैले खाद्य पदार्थों के माध्यम से इनके भारी विज्ञापन किए जाते हैं समाचार पत्रों टीवी चैनल्स पहले आपको बीमारियां बांटी जाती हैं। और बाद में दवाइयां इस को समझें। घर का बनाया हुआ भोजन जिसमें घर के कुटे पिसे मसाले, घर का पिसा हुआ आटा, घर में पीसा हुआ सेंधा, काला नमक, (आयोडीन युक्त सफेद नमक कदापि प्रयोग ना करें), कच्ची घानी का सरसों, मूंगफली, तिल्ली, का तेल आदि का प्रयोग करें 90% बीमारियां घर देखकर ही भाग जाएंगे। सॉरी इंग्लिश, एलोपैथिक दवाइयों के साइड इफेक्ट होते हैं। तत्काल तो आपको राहत दे सकती हैं पर लंबे समय में लंबी बीमारियां भी देती हैं। इसे भी समझे और स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक तरीके से प्रकृति के निकट प्राकृतिक भोजन करें और परिवार के सदस्यों को प्रेरित करके प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को प्राकृतिक रूप में सेवन करना शुरू करें।

जो स्वास्थ्य का मूल मंत्र है।

बूढ़ा होने की कहानी और रहस्य

मेरे आयुर्वेद होम्योपैथी के साथ-साथ सामाजिक का समाज पारिवारिक स्थितियों सबके मिले-जुली वास्तविकता का बुढ़ापे के संबंध में सच जो संग्रहित किया वह आपको प्रस्तुत कर रहा हूं आप अपनी अपनी राय टिप्पणियां आलोचनाएं करके भविष्य की पीढ़ी को हम सब मिलकर कुछ अच्छा कर व दे सकते हैं व सकेंगे।

काफी गहन अध्ययन, अनुभव के निष्कर्षों से जो मैंने व्यक्ति के बूढ़ा होने की कहानी और रहस्य जानने का प्रयास किया।

मेरे अध्ययन का अभी तक का सार व्यक्ति के बूढ़ा होने के संबंध में सामने आया। यह सार पुराने इतिहास वर्तमान परिस्थितियों सामाजिक और पारिवारिक स्थितियों के आधार पर मैंने निकाला जिसे आज नहीं तो कल और नहीं तो परसों पूरी दुनिया मनोवैज्ञानिक, मेडिकल साइंस सब स्वीकार करेंगे। यथार्थ में आदमी बूढ़ा होता नहीं उसको उसकी बीवी और बच्चों की लंबाई और उम्र और उसकी चिंताएं बूढ़ा बना देती हैं। आपकी जीवनसंगिनी यदि आपके बच्चे पैदा हो गए हैं। तो वह दिन भर में 2-4 बार नसीहत देगी। कैसे रहते हो? कैसे करते हो? बच्चे बड़े हो रहे हैं? उम्र बढ़ रही है। ढंग से रहा करो। शर्म नहीं आती। बच्चे क्या कहेंगे। जीवन भर पत्नी यही 24 घंटे में दो चार बार अलग अलग अंदाज अलग अलग तरीकों से जो सीख बांटती है।बच्चों की बढ़ती लंबाई उसको पोषित करती है। जो मनोवैज्ञानिक दबाव के कारण यथार्थ में पुरुष की मानसिकता में उम्र के बढ़ते प्रभाव को थोपने के कारण, पुरुष को बुढ़ापे की तरफ ले जाती है। जबकि वही जीवनसंगिनी जीवनसाथी एक दूसरों को इन सब से दूर रहकर, उल्टे ही उसको डांट कर न केवल बच्चों की तरह खेलने कूदने को प्रेरित करें व अन्य कार्यों न केवल भोग रोमांस के लिए प्रेरित करें। असक्षमता पर प्यार से जीवनसंगिनी के साथ मां की तरह उसको बच्चों की तरह जोश दे।

क्या बुढ़ापा आ गया। उठो यह भी करना है। क्या हुआ दूध के दांत टूटे नहीं और थक गए हो। यह नहीं कर पाऊंगा। वह नहीं खाऊंगा?। उस समय मां की तरह उस को डांटे, प्यार से हर बड़े से बड़े कार्य को करने की प्रेरणा दें। अपने पति से जानबूझकर छेड़छाड़ अन्य व अपनी सहेलियों से, स्त्रियों से बातचीत व रोमांस करने की प्रेरणा दें। ठीक है शारीरिक संबंध स्थापित नहीं करना है।

बच्चों की तरह खाने-पीने मस्ती करने के लिए प्रेरित करें। तो हर आदमी अपने बुढ़ापे को टाल सकता है। ऐसी 90 साल की उम्र तक वह जो सक्षम रहकर न केवल संभोग कर सकता है। वरन दुनिया के हर सारे काम कर सकता है बड़ी चुस्ती फुर्ती और युवाओं की तरह। परंतु हिंदुओं की औरतें उल्टे ही पुरुष को डांट डांट कर 24 घंटे में दो चार बार उसको उसकी उम्र का अहसास दिला कर, बुढ़ा बना देती हैं। जो उनके लिए ही भविष्य में घातक होता है। उसको योग करने, खेलने कूदने दोस्तों के साथ, सहेलियों के साथ, घर के सदस्यों के साथ मस्ती करने की प्रेरणा देकर, बीमार होने, परेशान होने पर जोश व हिम्मत देकर प्रेरित करने और अपने पति को जवान बनाए रखने के लिए यह मानसिकता बनाकर कोशिश नहीं करती। जो पुरुष के बुढ़ापे को दूर रख सके। पुरुष के शीघ्र बुढ़ापे के पीछे उसकी अपनी पत्नी गहन भूमिका निभाती है। उसको बात बात पर ताने मार असक्षम, कमजोर, नकारा सिद्ध करती है।ताकि वह मानसिक रूप से दबाव में रहकर उसके इशारे पर नाचता रहे। उसकी आड़ में वह अपनी मौज मस्ती से इच्छानुसार जीवन गुजार सकें।

यह कड़वा सच है। पर सच तो है।

मप्र सरकार जीएसटी को समझ सद्उपयोग करे

धारा 68 व 71 में स्पष्ट व्याख्या अनुसार करे कार्य

माल एवं सेवा कर अर्थात मसक की धारा 68 में स्पष्ट है कि जो भी माल रास्ते में हैं। उसकी जांच की जा सकती है। बिल देखे जा सकते हैं। तो 40 नाके खोलकर वहां पर भी जो माल वाहक प्रदेश में घुस रहा है या प्रदेश से बाहर जा रहा है। जांच करने के लिए स्वतंत्र हैं। पर अगर अग्रिम दलाली मिल रही है। तो राज्य की आय की नहीं, स्वंय की आय पर ध्यान दें भावी जी को खुश करना जरूरी है।

अन्यथा भोजन नहीं मिलेगा। राज्य अपनी वित्तीय व्यवस्थाओं को पूरा करने के लिए, करों के संग्रहण में यदि माल वाहकों को प्रदेश के नाकों पर कर चोरी की जांच करने के लिए राज्य स्वतंत्र हैं। बेशक अब माल मोदी के आका पूंजी पतियों के, चंदा बांटने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ट्रकों का ही सबसे ज्यादा आता जाता है। फिर कमीशन खोरी में प्रधान, मुख्य, वाणिज्य मंत्री, प्रधान सचिव, आयुक्त सबको हिस्सा मिल रहा है। तो ये हरामखोर टुकड़खोर जनता का रक्त पिपासु भेड़िये कैसे विभाग के कर्मियों, अधिकारियों को धारा 68 के वाहनों की व धारा71 में वाणिज्यिक परिसर की जांच के अधिकार अधिकारियों के विवेक पर छोड़ सकते हैं। बस कामचोरी के आरोप लगा सकते हैं। और उसे सच सिद्ध करने मुख वाचक व अंगूठे के वैद्युतकीय यंत्र लगा सकते हैं। फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है की मसक परिषद या जीएसटी काउंसिल की सलाह बंधन कारी नहीं। उपयोगी हो तो मानें। अन्यथा कचरे के डिब्बे में डालें।

प्रदेश के 40 में नाकों को भी तुरंत खोला जाना चाहिए और जीएसटी की धारा 68 के अंतर्गत सारे माल की जांच चलित वाहनों की और उनके देयको की जांच प्रदेश के प्रवेश नाकों पर कि जाकर वहीं पर कर चोरी को रोकने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे प्रदेश में आने वाला और पुलिस से जाने वाला बहुराष्ट्रीय कंपनियों का माल पर कर चोरी को रोका जा सके इससे पूरे प्रदेश के सारे व्यापारियों में कर के प्रति जवाबदेही बनने के साथ कर राजस्व में बढ़ोतरी हो जाएगी। फिर अधिकांश बहुराष्ट्रीय कंपनियों का माल जो प्रदेश में उत्पादित होता है या प्रदेश से बाहर उत्पादित होता है वही आज सारी छोटी दुकानों से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल में बिकता है तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां कहां कहां केंद्र, राज्य, अंतर राज्यीय जीएसटी का ईमानदारी से भुगतान कर रही है या नहीं यह नाकों पर पकड़ा जा सकता है।

फिर धारा 71 में जब व्यवस्था है कि आप किसी भी व्यवसायिक औद्योगिक परिसर में घुसकर वहां पर ना केवल इनपुट टैक्स क्रेडिट वरन माल के साथ उसके खाते भाइयों की जांच करने के लिए स्वतंत्र है और इसमें कहीं पर भी कार आयुक्त से लिखित आज्ञा लेने की आवश्यकता नहीं क्योंकि धारा 68 और धारा 71 में स्पष्ट व्यवस्था संयुक्त आयुक्त के स्तर के अधिकारी के स्वविवेक व स्वेच्छा पर निर्भर है परंतु बहुराष्ट्रीय कंपनियों से स्वयं सीधे मुख्यमंत्री प्रधान सचिव दीपाली रस्तोगी आयुक्त लोकेश जाटव के सीधे समायोजन के कारण जानबूझकर ना केवल अपने ही विभाग के पूरे प्रदेश में स्थापित 6 एंटीइवेजन विंग को हर महीने कभी पूरे महीने खाली बैठाया जाता है कभी 7 दिन कभी 5 दिन के वाहन पकड़ने के अधिकार दिए जाते हैं।

स्वाभाविक है ऐसे में सभी ट्रांसपोर्ट व्यापारी और कंपनियां जो है वह आसानी से कर चोरी करते हुए माल का परिवहन और बिक्री करते रहते हैं। तत्काल रुक जाना चाहिए एंटी विजन वीरों को स्थाई वाहन पकड़कर जांच करने के अधिकार दिए जाने से ना केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों व्यापारियों ट्रांसपोर्टर्स में भय होने के कारण हर कार्य को फिर एक नंबर में करने लगते हैं।

बेशक एक एंटी विजन विंग 2 करोड रु टैक्स चोरी पकड़ती है के विपरीत वह 200 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी रोक कर सरकार के राजस्व को बढ़ाती है। दूसरी तरफ हर राज्य सरकार को संविधान की अनुसूची 42 में अपने वित्तीय व्यवस्था को प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है तो मध्य प्रदेश सरकार चाहे तो आसानी से जाकर खोल कर कर चोरी रोकने के लिए स्वतंत्र है और फिर सर्वोच्च न्यायालय ने भी यह स्पष्ट कर दिया जीएसटी परिषद केवल सलाह दे सकती है उसकी सजा को मानना या ना मानना राज्य सरकारों के अपने विवेक पर निर्भर करता है। जैसा कि सन 2006 से में प्रकाशित कर रहा था कि जीएसटी लगने के बाद सारे राज्य सरकारों को वित्तीय प्रबंधन में केंद्र सरकार भिखारी बना देगी और आज वह स्थिति स्पष्ट रूप से सामने हैं। फिर आप राज्य हैं आपको अपने स्तर पर निर्णय लेने में सक्षम है। सरकार को चाहिए कि वह अपने स्तर पर अपने वित्तीय प्रबंधन को संभाल नहीं जीएसटी से संबंधित अपने विभाग को, बल्कि नाके खोलने की दोस्तों की करें।

पिछले 20 साल से नियमित भर्तियां न होने से

तत्काल सरकार सभी विभागों में भर्ती निकाले

सभी सरकारी कर्मचारी अधिकारी पंचायतों के रोजगार सहायक और ग्राम सचिव से लेकर सभी शिक्षकों स्वास्थ्य कर्मियों पुलिस सभी जिलों के सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी प्रधान व मुख्य सचिव स्तर तक, 16 साल में प्रदेश की तबाही के साथ-साथ सभी विभागों में मात्र 30% स्टाफ रह गया। जबकि काम 4 गुना तक बढ़ चुका है।

जो तीन लाख से ज्यादा कंप्यूटर ऑपरेटर, बाबू, बेचारे संविदा व दैनिक वेतन भोगी, सफाई, निगमों, पालिकाओं, उद्यानिकी, कृषि, वन, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य, जल संसाधन, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर सेना आदि में काम कर रहे हैं। 20-25-30 सालों से, वेतन तो उन्हें मजदूरों का दिया जाता है पर काम उनसे नियमित कर्मचारियों से ज्यादा लिया जाता है। फिर उन्हें कोई छुट्टी, अग्रिम, स्वास्थ्य क्षतिपूर्ति पेंशन आदि कुछ नहीं मिलता।

शासकीय विभागों में 30 प्रतिशत कर्मचारी और कार्य चार गुना

वर्तमान में प्रदेश में लगभग 3 लाख संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की, 20,000 अधिकारी और तीन लाख से ज्यादा शिक्षकों पुलिसकर्मियों बाबूओं, की भर्ती की आवश्यक ताओं के साथ, सभी विभागों में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति देने की तत्काल आवश्यकता है।पर भारतीय जनता पार्टी के डकैत भेडिये मुख्यमंत्री शिवराज से लेकर सारे मंत्री, विधायक, सांसद, नेता, पार्षद, महापौर, जनपद और जिला पंचायत अध्यक्ष सब पदाधिकारी ने मोटी कमाई करने शासन के धन को विभिन्न षडयंत्रों के माध्यम से हजम करने के षडयंत्रों में ना केवल भर्तियां नहीं की बल्कि जानबूझकर सर्वोच्च न्यायालय के फर्जी स्थगन आदेश का हवाला देकर पदोन्नतियां रोक कर सब को बर्बाद किया। बदले में प्रमुख अभियंता तक के पदों पर संविदा कार्मिकों से काम चलाया जा रहा है और नीचे के अधिकारी कर्मचारी संचालक इंजीनियर डॉक्टर सब अपने पदों पर 20 साल से ज्यादा समय से एक ही पद पर सड़ाए जा रहे हैं। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार हैं। आपके पास सारी शक्तियों का भंडार है। और शक्तियों को ना तो जानते हो, ना सदुपयोग करते हो। राजस्थान में हर 5 साल में सत्ता पलट दी जाती है इसलिए वह कर्मचारियों की हर बात सुनती है समय पर उनको मैं ही बता देती है। पुरानी पेंशन की मांग सबसे पहले मांग लेती है। क्योंकि वहां किसी एक पार्टी की सत्ता कभी नहीं रहती हर 5 साल में बदल दी जाती है। पर आप छोटे-छोटे स्वार्थों में एकत्रित नहीं होते। सुनते समझते नहीं। सत्ता पलटते नहीं।

इस बार ग्राम पंचायतों से लेकर सभी नगरीय निकायों में सत्ता बदल दो पलटा तो पूरा खेल जहां भी जालसाजियां, बदमाशी होती हों। मशीनें बदली जाती हों। गिनती में बदमाशी की जाती हो जानबूझकर सत्ताधारी भेड़ियों का दल अधिकारियों को अपने तरीके से नचाकर जीतने का षड्यंत्र करें।

सारी सच्चाईयां चुपचाप से अपने चालू कैमरों से रिकार्ड कर मीडिया में छोड़ दो। चुपचाप वीडियो बनाकर जनता के सामने उनके भांडे फोड़ दो। हर हाल में सत्ता पलटा दो। अपनी शक्ति का एहसास करा दो। अपने अधिकार ना मिले तो छीन कर ले लो। ताकि आने वाली सरकार से नई भर्तियां करवा सको। सारे संविदा कर्मियों को नियमित करवाओ। जागो सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों अपने लिए कुछ नहीं कर पाए तो आने वाले अपने भविष्य की पीढ़ियों का तो ख्याल करो हरामखोरों।

म प्र के सभी सरकारी कर्मचारी अधिकारी जानते हैं कि उनके पदोन्नति भर्ती वेतन वृद्धि महंगाई भत्ते व अन्य सुविधाओं की लड़ाई मैं पिछले 22 साल से शतत लड़ रहा हूं। जब करुणा काल में ही सरकार नहीं वेतन भर्ती देने से और महंगाई भत्ता देने से मना कर दिया था तब सतत मैंने ही संघर्ष करके और वीडियो डालकर आपके अधिकारों को दिलवाया।

निसंदेह मैंने कोई एहसान नहीं किया। जब सरकार ने आपके दोनों वेतन वृद्धियां काल्पनिक देने की घोषणा कर दी थी। तब आपके हकों के लिए संघर्ष करके आपको दिलवाये।

जिसके वीडियो आप फेसबुक ट्विटर के साथ

samaymaya.com

मोदी के संरक्षण में हुआ कश्मीर में नरसंहार

19 जनवरी 1990 को कश्मीर में जगमोहन राज्यपाल थे और वहां का प्रभारी नरेंद्र दामोदरदास मोदी था। इस हत्याकांड में केवल कश्मीरी पंडित ही नहीं बहुत सारे इनको सहयोग करने वाले मुस्लिमों का परिवार भी साफ हुआ। यह सब मोदी के समय हुआ और जानबूझकर इसने हत्याकांड के ऊपर से निगाहें फेर कर रखें ताकि पंडितों का व अन्य का कत्लेआम हो। और हिंदू में बीजेपी की प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए दहशत फैलाई जाकर आसानी से उनका ध्रुवीकरण संघ व भाजपा की ओर किया सके। 32 साल पुराना मामला हो गया।

पिछले 8 साल से केंद्र में मोदी की सरकार और राज्य में 18 साल से शिवराज की सरकार है। हर शहर में कश्मीर फाइल की तरह जहां जहां जाकर मुस्लिम बस जाते हैं। धीरे धीरे वो उत्पात मचा कर हिंदुओं को परेशान करना, औरतों को छेड़ना। गंदगी फैलाना, मांस मटन खाने के बाद घरों में हड्डियां फेंकना, बकरे बकरी, मुर्गे मुर्गी बांध कर गंदगी फैला कर, बोलने कहने पर बात में डरा, धमका पलायन करने के लिए विवश कर मकानों, दुकानों पर कब्जे करना, ओने पौने में खरीदना चल की फाइलें दिल्ली से लेकर हर शहरीय से लेकर गांवों तक चल रही हैं। ऐसे परेशान हिंदुओं का कोई साथ नहीं देता।

पुलिस मैं भी शिकायत करने पर सुनती नहीं, रिपोर्ट लिखती नहीं। उल्टे ही सलाह देती है। कि मकान बदल लो, बेंच कर कहीं हिंदू के मोहल्ले में मकान ले लो। ऐसी हर जगह वहां वहां हिंदुओं को मोहल्ले खाली करने पड़ते हैं। अनेकों सैकड़ों क्षेत्रों में यह सब इंदौर जैसे महा नगर में वर्षों से हो रहा है। पीड़ितों ने हर जगह पुलिस, प्रशासन, संघ, भाजपा नेताओं, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद आदि सभी हिन्दू संगठनों से लगाई परंतु सब दायें बातें होने के बाढ़ अंत में उस परिवार को मकान बैंचकर जाना पड़ा।

यही हाल उज्जैन में गांधीनगर में बेगम बाग से लेकर महाकाल से लेकर देवास गेट तक, नयेपुरे में व अन्य कालोनियों वह बस्तियों में चल रहा है। अनेकों गांव हिंदू विहीन हो साफ हो चुके हैं।

आखिर क्या कर दिया 17 साल के भाजपा शासन ने, पूरे प्रदेश में हर जिले में ऐसी कश्मीर फाइल चल रही है। कोई प्रशासन, संघ, भेड़िया झुंड पार्टी कर्मों हाथ डाल रोकती नहीं। पीड़ितों की कहीं कोई सुनवाई नहीं होती।

धार के भोजशाला के हिंदू मुस्लिम दंगों की गूंज तो पूरे देश में अखबारों में वर्षों से इतिहास बना रही है।

इस पर भी फिल्म बननी चाहिए।

साप्ताहिक समय माया

जन संघ पार्टी
JAN SANGH PARTY

राष्ट्र देवो भवः

सूरजमुखी फूल
चुनाव चिन्ह

जनसंघ पार्टी चुनाव चिन्ह

सूरजमुखी के फूल पर बटन दबाकर

प्रवीण कुमार अजमेरा

महापौर पद प्रत्याशी
को भारी बहुमतों से

विजयी बनाएं

कोरोना महामारी में पूरे विश्व की बहुराष्ट्रीय कंपनियों व डब्ल्यूएचओ के षडयंत्र के विरुद्ध अकेले ही लड़ने वाला योद्धा एवं गरीब जनता के हितों के लिए 22 साल से सतत् संघर्षरत् पत्रकार

www.samaymaya.com

www.samaymaya.com की साइट से समाचार पत्र की पीडीएफ डाउनलोड कर सोशल मीडिया पर अपने मित्रों को भेज सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 94256-37958, इंदौर कार्यालय- मोबा. 94251-25569, 94795-35569